संपादक की कलम से ....

कुशवाहा अभियंता फोरम की 31वीं वार्षिक आम सभा का आयोजन विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी 16 अप्रैल 2023, दिन रविवार को ''मौर्य कुशवाहा अभियंता भवन'', मौर्य पथ, दानापुर–खगौल रोड, पटना के परिसर में आयोजित हैं।

इस अवसर पर ''कुशवाहा अभियंता फोरम'' स्मारिका–2023, वर्ष–31, अंक–31 का प्रकाशन होने जा रहा हैं।

कुशवाहा अभियंता फोरम, मूलत: कुशवाहा समाज के अभियंताओं का एक संस्था हैं यह संस्था विधिवत् महानिरीक्षक, निबंधन, बिहार, पटना द्वारा सोसाईटीज रजिस्ट्रेशन ऐक्ट–21, 1860 के अधीन निबंधित हैं और इसका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष है। इसका उद्देश्य है इस संस्था से अधिक से अधिक संख्या में सदस्यों को जोड़कर समाज को संगठित, सक्रिय एवं सशक्त बनाया जाय। सर्वविदित हैं कि इस समाज का इतिहास बहुत ही गौरवपूर्ण रहा है। कुछ विचारक इस समाज को महान सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के वंशज के रूप में जानते है, तो कतिपय प्रबुद्धजनों का मत हैं कि इसका संबंध का सुत्र त्रेतायुग के राजा राम के पुत्र कुश से जुड़ा हैं, खैर, जो हों; दोनों स्रोत का मूल इतिहास प्रेरणादायक, प्रशंशनीय एवं उत्कृष्ट ही रहा है। वर्त्तमान परिवेश में इस मान्यताओं का न तो ज्यादा प्रसांगिता है और न होना चाहिए, ऐसा मेरा व्यक्तिगत मत है– यथा ''जैसा देश, वैसा भेष'', जैसी लकड़ी–वैसी कुल्हारी।

वर्त्तमान में समसामयिक होते हुए, इस समाज को ज्यादा कर्मठ, जागरूक एवं दूर–दृष्टि भावना के साथ अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करना चाहिए तथा सामाजिक, आर्थिक, वौद्धिक एवं राजनीतिक सभी क्षेत्रों में अपने आपको उन्नत प्रमाणित करना चाहिए। तभी पूर्व के इंतिहास को सार्थक साबित करने में सफलता मिलेगी। गरिमामय ईतिहास मानव को आत्मबल देता है, प्रेरणा पैदा करता है। लेकिन वर्त्तमान में लक्ष्य प्राप्ति हेतु संकल्प; कर्म और साधना की अनिवार्यता हैं। सिर्फ शौर्यमयी गाथा से आडम्बर का अवलंबन उचित नहीं हैं। यर्थाथ में उन्नत समाज के निर्माण के लिए सभी विधा यथा शिक्षा, व्यवसाय, सरकारी–सेवा, न्यायिक–सेवा एवं राजनीतिक क्षेत्र में भी सार्थक भूमिका में आना होगा। इतना ही नहीं, समय की मांग के अनुरूप, समाज के कुछ युवाओं को सिख धर्म के निहंग की तरह समाज सेवा के लिए पूर्णत: समर्पित Millitant सशक्त शौर्यबल'' के रूप में आगे आना होगा, तभी समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। क्योंकि भौतिक सूरक्षा के बगैर, आत्म सुरक्षा, धन सुरक्षा एवं नैतिक सुरक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। सम्पदा की सुरक्षा के लिए तलवार (भौतिक ताकत) ज्यादा प्रसांगिक है।

'कुशवाहा अभियंता फोरम' एक गैर राजनीतिक संस्था है; लेकिन राजनीतिक संवेदना–शून्य नहीं है। जिसका गठन समाज के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से किया गया है और इस ओर अग्रसर भी है। बिना सामाजिक, राजनीतिक चेतना के सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। **फोरम का स्मारिका, फोरम के क्रिया–कलाप का एक लिखित दस्तावेज है;** जिसके माधयम से वर्षभर फोरम के कार्यक्रम को लिपिबद्ध कर प्रस्तुत किया जाता है। फोरम के स्मारिका के माधयम से समाज के विशिष्ट जनों के संदेश को प्रेरणा के रूप में, समाज के उद्यमियों, व्यवसायिक संस्थानों को प्रचार–प्रसार के रूप में, समाज के अभियंताओं का परिचय के रूप में; समाज के अविवाहित युवा–युवतियों को योग्य वर–वधु तलाश करने के रूप में; देश–प्रदेश के उच्च–पदस्थ अधिकारियों–पदाधिकारियों को आपसी सहयोग एवं मनोबल बढ़ाने के रूप में एवं समाजों–पयोगी अन्य सामग्रियों के लेखन को समाहित कर ''सागर को गागर'' में समा देने का भसरक प्रयास किया गया हैं।

स्मारिका में समाज के कुछ ऐसे दानवीरों के नामों का उल्लेख किया गया है, जिन्होंनें अपने द्वारा अर्जित पवित्र धनांशों का एक संस्था द्वारा संचालित समाज हित के विभिन्न कार्यक्रमों में दान स्वरूप अर्पित कर योगदान दिया है।

कुशवाहा अभियंता फोरम 'स्मारिका–2023' का प्रस्तुत स्वरूप स्मारिका का 31 वाँ संस्करण है। यह प्रमाणित करता है कि ''कुशवाहा अभियंता फोरम'' अब 31 साल का युवा संस्था है, जिसमें जोश, उत्साह, नयापन, शक्ति संपन्न और

कुछ नवीन उत्कृष्ट विचार से ओत–प्रोत प्रखर भावनाओं का संचार होना चाहिए। लेकिन विगत कुछ वर्षो से लगातार ऐसा देखा जा रहा है कि फोरम के जो पदाधिकारीगण पूर्व में सक्रिय रहे हैं, वही वर्त्तमान में भी 'फोरम' को ढो रहे हैं। यह चिंतनीय है। इस पर सम्यक विचार होना चाहिए। क्योंकि फोरम का मूल उद्देश्य ही था– To develop leadership among our's members. फोरम के अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष को नये सत्र के लिए अपने–अपने उत्तराधिकारियों को तैयार करना भी उनके सफल नेतृत्व का दायित्व है और होना भी चाहिए। **नेतृत्व में नयापन ही संस्था के जीवंत होने का प्रमाण है।** एक सार्थक, संवेदनशील एवं सृजनात्मक संस्था का अभिप्राय होता है, इनके युवा सदस्यों को आगे बढ़कर; नेतृत्व के बागडोर को अपने हाथ में लेकर, नये vision के साथ संस्था को दिशा देना; विकास के पथ पर अग्रसर, करना। **किसी भी संस्था में समर्पित कार्य कर्त्ता इसका प्राण होता है।** जिसके निरंतर सहयोग से संस्था में गतिशीलता होती है, निरंतरता होती है, जो संस्था में नये नेतृत्व की खोज में सतत प्रयत्न शील रहता है। कहा भी गया है **''जो संगठन में बोझ ढोके मुआबजा चाहता है, वो समर्पित नहीं होता, वह मजदूर होता है।''**

स्मारिका के नवीन संस्करण में समाज के माननीय सांसदों, विधायको एवं अन्य गणमान्य महानुभावों का शुभकामना संदेश, समाज के उद्यमियों एवं व्यवसायियों के संस्थान के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु, फोरम के सम्मानीय अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष के विगत वर्ष के कार्यो से संबंधित प्रतिवेदन, फोरम के सभी सम्मानित आजीवन एवं सामान्य सदस्यता की सूची, दान–दाताओं एवं छात्रवृति से लाभान्वित छात्र–छात्राओं की सूची को यथा संभव आवश्यक सुधार के साथ अद्यतन कर प्रमुखता से स्थान दिया गया है। स्मारिका को विविध सामाजिक परिवेश में बहुआयामी उपयोगी साबित होने की दिशा में मैरेज व्यूरों एवं अन्य व्यवसाय के कारोवारी, लोकोपयोगी गणमान्य प्रभावशाली सफल लोगों के नामों को भी संकलित कर अधिक उपयोगी एवं समसामयिक बनाने का प्रयास किया गया है।

'कुशवाहा अभियंता फोरम' का कार्यालय भवन परिसर लगभग पूर्ण होने के कगार पर है। वरिष्ठ सदस्यगण हेतु लिफ्ट अधिष्ठापन का कार्य हो चुका है तथा उनके लिए Senior Citizen Home को सुव्यवस्थित करने की दिशा में अग्रेतर कार्यवाई की जा रही है। आशा है; सभी अतिविशिष्ट सुविधा के साथ वर्ष 2023–24 के अंत तक यह कार्य पूरा हो जायेगा; जिसके लिए सभी गणमान्य सदस्यों से उदारतापूर्वक सहयोग की अपेक्षा हैं। मौर्य–कुशवाहा अभियंता भवन निर्माण कार्य में योगदान (अर्थदान, समय दान, श्रमदान एवं वैचारिक अनुमोदना) के लिए फोरम के सभी माननीय सदस्यगण एवं मौर्य विहार के पदाधिकारीगण को हम साधुवाद के साथ आभार व्यक्त करते है।

साथ ही स्मारिका के सफल प्रकाशन में हम अभारी है, शुभकामना संदेश देने वाले सभी माननीय सांसदो, विद्यायकों, विधान पार्षदों एवं अन्य गणमान्य लोगों का; जिनके संदेश एवं शुभ कामनाओं से स्मारिका सुसज्जित हो पाया, हम अभारी है; फोरम के सभी सदस्यों, परिवारजनों एवं उनके सगे संबंधियों का; जिनका आर्शीवचन, समय–श्रम एवं आर्थिक सहयोग सदैव मिल पाया; हम आभारी है, सभी दान–दाताओं एवं विज्ञापनदाताओं का; जिनके आर्थिक मदद से स्मारिका प्रकाशन में सहयोग–अंश प्राप्त हुआ। तथा स्मारिका रोचक हो पाया; हम अभारी हैं, सम्पादक मण्डल, विज्ञापन संग्रह समिति के सभी सदस्यों का; जिनके अथक प्रयास तथा समय के बहुमूल्य योगदान से, जिसके कारण स्मारिका त्रृटिरहित एवं अद्यतन कर प्रकाशन में सफलता मिल पाई है। हम विशेष रूप से आभारी है तथा धन्यवाद देते है, फोरम के महासचिव एवं दी आर्ट गैलरी, आशियाना मोड़, के संचालक, सहयोगी का जिनके सार्थक प्रयास से स्मारिका का प्रकाशन आकर्षक एवं ससमय हो पाया है। स्मारिका के इस अंक को त्रुटि–रहित, समाज–उपयोगी एवं उद्यतन रखने का प्रयास किया गया है, फिर भी सम्पादकीय स्तर पर यदि किसी लेख, संलेख, डाटा एवं अन्य प्रस्तुत सामग्रियों में कोई त्रुटि अवशेष रह गया हो या आपत्ति जनक प्रतीत होता हो, तो उसके लिए हम क्षमा–प्रार्थी है तथा सादर निवेदन करते हैं कि उक्त त्रुटि से फोरम कार्यालय को अवगत कराने की कृपा करेंगे; ताकि सुधार का Corrigendum प्रकाशित किया जा सके। कुशवाहा अभियंता फोरम, स्मारिका के माध्यम से समाज के, प्रदेश के एवं देश के सभी नागरिकों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

जय हिन्द जय कुशवाहा जय–फोरम

(इ० रामानंद मंडल)
सम्पादक